श्री अभिनंदन स्वामीने नमः
श्री गौतमस्वामीने नमः
प.पू. आचार्य जगच्चंद्रसूरी सद्गुरुभ्यो नमः
निश्रा. प.पू. सा. दीनदर्शना श्री.जी.म.सा.

नाम -
Ph. No.

DELUXE
PAGE NO.:
DATE:

सुत्रोनी सुवास

(1) सम्यक् दृष्टि देवोनु स्मरण करवा ------ सूत्र बोलाय छे.
(सुअदेवया, खित्तदेवयां, वैयावच्चगराणं)

(2) ------ सूत्र में महावीर प्रभु के दोनों नाम आते हैं।
(लोगस्स, सिद्धाणं, संसारदावा)

(3) गुरु भगवन्त के पास क्षमा मांगने का सूत्र ------ है।
(अड्ढाइज्जेसु, अब्भुट्ठियो, भगवानंह)

(4) आते जाते लगे हुए पापों की क्षमा मांगने का सूत्र ------ है।
(सव्वस्सवि, अब्भुट्ठियो, ईरियावहिया)

(5) २४ भगवान का नाम स्मरण ------ सूत्र में करते हैं।
(लघु शान्ति, वरकनक, लोगस्स)

(6) ------ सूत्र की रचना मानदेवसूरिजी ने की है।
(लघुशान्ति, वरकनक, लोगस्स)

(7) मरकी हटानेवाले भगवानको ------ सूत्र से वंदन किया जाता है।
(लघुशान्ति, वरकनक, लोगस्स)

(8) सकलार्हत्में ऋषभदेव स्वामी का नाम ------ गाथा में आता है।
(1, 2, 3)

(9) ईच्छकार सूत्र में गुरुमहाराज को ------ प्रश्न पूछने में आए है।
(4, 5, 6)

(10) अढीद्वीप में तीर्थंकर भगवंतों को ------ सूत्र में वंदना की है।
(अड्ढाईज्जेसु, सकलतीर्थ, पुक्खरवरवर)

(11) ------ सूत्र मांगलिक प्रतिक्रमण में बोलते हैं।
(संतिकरं, अजितशान्ति, उवस्सग्गहरं)

(12) ------ सूत्र संवत्सरी प्रतिक्रमण में नहीं बोलते हैं।
(संतिकरं, अजितशांति, उवसग्गहरं)

(13) भरहेसरमें ------ महापुरुषों का स्मरण करते हैं।
(47, 53, 50)

(14) ------ सूत्र में ५ प्रकार के आचार बताए हैं।
(लोगस्स, नाणंमि, वंदितु)

(15) ------ सूत्र में आचारों व व्रतों की क्षमा मांगने में आई है।
(नाणंमि, वंदितु, अब्भुट्ठियो)

(16) ------ सूत्र में श्रावक के 36 कर्तव्यों की बात आती है।
(वंदितु, मन्नह जिणाणं, सागरचंदो)

(17) भरहेसरमां _____ महासतीजी का स्मरण करने में आता है।
[47, 50, 53]

(18) _____ सूत्र से पौषध पालते है।
(करेमि भंते, सामाईयवयजुत्तो, सागरचंदो)

(19) _____ सूत्र से तीर्थंकर भगवंतो को प्रसन्न करने की विनंति करते हैं।
(नमुथ्थुणं, जयवीराय, लोगस्स)

(20) 14 स्वप्न और 24 लांछन में _____ वस्तु समान है।
[4, 5, 6]

(21) _____ सूत्र से ईन्द्र महाराज भगवान को वंदन करते हैं।
(नमुथ्थुणं, जयवीयराय, लोगस्स)

(22) _____ सूत्र से भगवान के पास तेरह प्रार्थना करने में आती है।
(नमुत्थुणं, जयवीयराय, लोगस्स)

(23) _____ सूत्र से पांच भगवान की स्तुति करने में आती है।
(संसारदावानल, कल्लाणकंद, अजितशान्ति)

24) ___ सूत्र में गुरु भगवन्त के प्रति ममत्व बताया है। (खमासमण, पंचिंदिय, अन्नत्थ)

25) ___ सूत्र में काउसग्ग का स्वरूप बताया है। (ईरियावहिय, तस्सउत्तरी, अन्नत्थ)

26) ___ सूत्र में सामायिक का स्वरूप बताया है। (वंदित्तु, करेमि भंते, नमुत्थुणं)

27) ___ सूत्र में श्रावक को सामायिक में साधु जैसा बताया है। (करेमि भंते, सामायिवयजुत्तो)

28) ___ सूत्र में श्रमणसंघ के साथ क्षमापना की है। (आयरिय, अब्भुट्ठियो, अड्ढाईजेसु)

29) ईरियावहिमां ___ प्रकारनी विराधनाकी क्षमा मांगी है। [8-10-12]

30) ___ सूत्र में तीनों लोक के जिनालय की संख्या बताई है। (जगचिंतामणि, जावंति, नमुत्थुणं)

31) 24 लंछन में ___ पक्षीओ है। [1-2-3]

32) ___ सूत्र में एक भी जोडाक्षर नहीं है। (संसारदावा, लघुशांति, सकलतीर्थ)

33) भद्रबाहु स्वामीजी ने ___ सूत्र की रचना की है। (सकलतीर्थ, लघुशांति, उवसग्गहरं)

34) 24 लांछन में ___ पशु है। [12-13-14]

35) नवकार सूत्र में ___ संपदा है। [5-8-9]

36) जगचिंतामणि सूत्र की रचना ___ पर्वत उपर हुई। (अष्टापद, शत्रुंजय, गिरनार)

37) करेमि भंते सूत्र ___ है। (अशाश्वत, शाश्वत)

38) ___ सूत्र में सामायिक के दोष बताये हैं। (करेमि भंते, सामाईयं, सकलतीर्थ)

39) ___ सूत्र में गुरु भगवंतो के गुण बताये हैं। (नवकार, पंचिंदिय, अब्भुट्ठियो)

40) ___ सूत्र में नेमिनाथ भगवान के कल्याणक की बात है।
(सिद्धाणं बुद्धाणं, उवसग्गहरं, लोगस्स)

DELUXE
PAGE NO.:
DATE:

41) _ _ सूत्र में पार्श्वनाथ भगवान की स्तवना की है। [संसारदावा, उवसग्गहरं, लोगस्स]
42. _ _ सूत्र का दूसरा नाम पंचाग प्रणिपात है। [नवकार, नमुत्थुणं, खमासमणो]
43. _ _ _ सूत्र चौदश को प्रतिकमण में सज्झाय तरीके बोलते है। [मन्नह जिणाणं, संसारदावा, उवसग्गहरं]
44. नवकार _ _ तीर्थ का सार है। [68, 108, 1008]
45. नवकार के नवपद _ _ देते हैं। [नवलब्धि, नवनिधि, नवशक्ति]
46. नवकार _ _ पूर्व का सार है। [7 - 9 - 14]
47. _ _ भगवान का दूसरा नाम पुष्पदंत है। [सुपार्श्वनाथ, शीतलनाथ, सुविधीनाथ]
48. बाह्य तप के _ _ प्रकार है। [2 - 6 - 12]
49. तीन लोक में रहे चैत्यो को _ _ सूत्र से वंदन किया जाता है। [जंकिंची, जावंति, जावंत]
50. पौषाधिय प्रतिक्रमण में _ _ सूत्र बोलते है। [सागरचंदो, सातलाख, गमणागमणे]
51. गुरु की बात में बीच में बोलना _ _ _ [अंतरभाषाओ, उवरिभाषाओ, संलावे]
52. कृष्ण की आठ पटरानी के नाम _ _ सूत्र में आते है। [सकलतीर्थ, भरहेसर, मन्नह जिणाणं]
53. _ _ सूत्र के प्रभाव से अईमुत्तामुनि को केवलज्ञान मिला। [इरियावहिय, अन्नत्थ, पंचिंदिय]
54. काउस्सग्ग में _ _ का त्याग करना होता है। [मन - माया - काया की ममता]
55. तीन लोक में रही प्रतिमा को _ _ सूत्र से वंदन करते है। [जंकिंचि, जावंत, जावंति]
56. काउसग्ग में समय मर्यादा _ _ सूत्र में बताई है। [अन्नत्थ, इरियावहिय, तस्सउत्तरी]
57. काउसग्ग में _ _ दोषों का त्याग किया जाता है। [32, 19, 18]
58. पापों के त्याग के लिए सूत्र _ _ [करेमि भंते, इच्छामि ठामि, पहले प्राणातिपात]
59. लोगस्स की _ _ गाथा में 24 भगवान के नाम आते है। [3, 4, 5]
60. _ _ सूत्र द्वारा विरति धर्म की आराधना होती है। [करेमि भंते, सागरचंदो]
61. सामायिक में _ _ वस्त्र जरूरी है। [सारा, स्वच्छ, शुद्ध]
62. बहनें मुहपत्ति का प्रतिलेखन _ _ बोल से करे। [30, 40, 50]
63. लोगस्स सूत्र की 3री गाथा में _ _ भगवान के नाम आते है। [7, 8, 9]
64. उत्कृष्ट पणे _ _ _ तीर्थंकर विचरते हैं। [108, 24, 170]
65. स्थूलिभद्र की सात बहनों के नाम _ _ सूत्र में है। [भरहेसर, सकलतीर्थ, नाणंमि]
66. _ _ भगवान का लांछन गेंडा है। [शीतल, श्रेयांस, विमल]
67. _ _ भगवान का वर्ण हरा (लीलो) है। [16, 2, 24]
68. वर्तमान जंबुद्वीप में _ _ भगवान विचर रहे हैं। [24, 20, 4]
69. तिरछे लोक में _ _ शाश्वत चैत्यो को वंदन करते हैं। [8,5120, 3259, 172000]
70. _ _ सूत्र द्वारा अढीद्वीप में रहे मुनिओ को वंदन होता है। [अढाईज्जेसु, जावंत, जावंति]
71. सम्यक्दृष्टि देवों का स्मरण करने _ _ सूत्र बोलते है। [अढाइज्जेसु, जावंत, जावंति]